ईद के चांद का दीदार हुआ

देहरादून (एसएनबी)। सोमवार को देश के विभिन्न हिस्सों में चांद को देखा गया। इसके बाद इमरात ए शरीय ने मंगलवार को पूरे देश में ईद मनाने के ऐलान किया है। रमजान का पवित्र महीना आखिरी पड़ाव पर है,ऐसे में देश में ईद -उल-फितर के त्योहार को लेकर लोग उत्सुक हैं। ईद को लेकर शहर में भी चहल पहल का महौल रहा। सोमवार को इद की तैयारियां पूरी कर ली गई। देर रात तक मुस्लिम बहुल इलाकों में बाजार गुलजार रहे। मस्जिदों को रोशन किया गया। त्योहार की तैयारियां लोगों ने पहले से शुरू कर दी थीं लेकिन छूटे सामान की खरीदारी आखिरी दौर तक जारी रही। देर रात तक दुकानें खुली रहीं। कहीं शोरूम में खरीदारी हो रही थी तो कहीं ठेले और फुटपाथ पर भीड़ लगी थी।

- आज मनाई जाएगी ईद, लोगों ने एक दूसरे को दी मुबारकबाद
- ईद की खरीदारी के लिए उमड़े लोग, बाजारों में रही रौनक

ईद को लेकर सुरक्षा कड़ी

देहरादून/ऋषिकेश (एसएनबी)। मंगलवार को होने वाली ईद व नमाज को लेकर पुलिस सतर्क है। सहारनपुर की घटना को देखते हुए अधिक सर्तकता बरती जा रही है। सोमवार को पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने जिला पुलिस की तैयारियों का जायजा लिया। उधर एसएसपी अजय रौतेला ने बताया कि पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किया है। कुछ स्थानों के रूटों में बदलाव किए गए हैं। ऋषिकेश में भी ईद को लेकर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सोमवार रात से ही चीता पुलिस ने गश्त शुरू कर दी है। नमाज के दौरान कोतवाल समेत आठ उपनिरीक्षक और 25 सिपाही तैनात रहेंगे।

एसएसपी अजय रौतेला ने पत्रकारों को बताया कि सभी थानेदार, सीओ व एसपी की ड्यूटी लगाई गई है। अधिकारियों को ईदगाह व मस्जिदों के का पास सुरक्षा कड़ी करने को कहा गया है। नमाज के दौरान किसी भी बाधा को रोकने के लिए पूरी तैयारी की गई है। पुलिस जवान मुस्तैदी से वहां तैनात रहेंगे।

उधर चकराता रोड और सहारनपुर रोड के साथ कुछ अन्य स्थानों के रूटों में भी बदलाव किए गए हैं। पुलिस ने सोमवार शाम को शहर में तलाशी अभियान चलाया। गौरतलब है कि सहारनपुर की घटना को लेकर मामले की संवेदनशीलता ज्यादा बढ़ गई है। पुलिस अधिकारी स्थिति पर पैनी निगाह रखे हुए हैं। उधर खुफिया पुलिस को सक्रिय किया गया है। पुलिस को हर किसी भी अप्रिय स्थिति को पहले ही रोकने के लिए कहा गया है। पुलिस ने आठ स्थानों पर बैरियर लगाए हैं।

- सहारनपुर घटना को लेकर बढ़ी संवेदनशीलता

रूट डायवर्ट

- नमाज के दौरान बिंदाल ईदगाह के बाहर चकराता रोड का रूट डायवर्ट रहेगा
- क्लेमेंटटाउन ईदगाह के बाहर नमाज के दौरान दून-सहारनपुर रूट डायवर्ट रहेगा
- बल्लूपुर से शहर की तरफ आने वाले वाहनों को गढ़ी कैंट-दिलाराम बाजार-बल्लीवाला चौक से सहारनपुर चौक भेजा जाएगा
- घंटाघर से चकराता रोड पर यातायात बंद रहेगा
- इस रूट के वाहन दिलाराम बाजार से गढ़ी कैंट होकर जाएंगे
- सहारनपुर-दिल्ली से आने वाले वाहन चंद्रबनी-वाडिया इंस्टीट्यूट-जीएमएस रोड पहुंचेंगे
- आइएसबीटी से दिल्ली-सहारनपुर का यातायात टर्नर रोड से क्लेमेंटटाउन थाना होते हुए निकलेगा

संग्रह अमीनों ने हड़ताल का ऐलान किया

देहरादून (एसएनबी)। उत्तराखण्ड राजस्व संग्रह अमीन संघ ने चार सूत्री मांगों को लेकर एक अगस्त से प्रदेशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। निर्णय लिया गया कि इस दिन संघ अपनी मांगों को लेकर सचिवालय तक रैली निकालेगा और शासनादेश जारी न होने तक परेड ग्राउंड में अनिश्चितकालीन धरना देगा।

संग्रह अमीन संघ लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। पिछले साल राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के बैनर तले करीब 22 दिन तक चली हड़ताल में अमीन संघ भी शामिल था। ऐसे में संघ की मांगों पर भी शासन ने सहमति जता शीघ्र शासनादेश का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक संघ की मांगों का निराकरण नहीं हुआ। संघ ने आंदोलन का शासन को नोटिस दिया था, लेकिन पंचायत चुनाव की आदर्श आचार संहिता को देखते हुए आखिर समय पर आंदोलन को स्थगित कर दिया गया था। अब संघ आरपार की लड़ाई के लिये तैयार है और प्रांतीय स्तर पर निर्णय लिया गया कि मांगों पर कार्रवाई न होने पर एक अगस्त से सभी कार्मिक हड़ताल पर जायेंगे। संघ के प्रांतीय महामंत्री विरेन्द्र सिंह सजवाण ने कहा नायब तहसीलदार पदों पर कैबिनेट द्वारा अनुमोदित संग्रह अमीन से पदोन्नति कोटा का शासनादेश जारी किया जाये। उन्होंने कहा हड़ताल का नोटिस शासन को भेज दिया गया है।

- चार सूत्री मांगों को लेकर एक अगस्त से प्रदेशव्यापी हड़ताल
- परेड ग्राउंड से सचिवालय तक निकाली जायेगी रैली

हड़ताल के लिए बिजली कर्मियों ने कसी कमर

देहरादून (एसएनबी)। उत्तराखंड पावर कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक की अपील के बावजूद उत्तराखंड विद्युत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने हड़ताल को लेकर कमर कस ली है। मोर्चा ने साफ करते हुए कहा कि निगम प्रबंधन की किसी भी बात को नहीं माना जाएगा। 11 अगस्त से प्रस्तावित हड़ताल स्थगित नहीं कि जाएगी। मोर्चा ने प्रदेशभर के बिजली कर्मचारी व अधिकारियों को हड़ताल के समर्थन में एकजुट होने का भी आह्वान किया है।

सोमवार को 18 ईसी रोड स्थित ऊर्जा कामगार संगठन के सभागार में संयुक्त मोर्चा की बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष एपी अमोली ने कहा कि निगम प्रबंधन निदेशक ने कर्मचारियों को हड़ताल में न जाने की धमकी देकर अपने इरादों का खुलासा कर दिया है। उनकी इस हरकत से तय हो गया है कि वे कर्मचारी के हितों के खिलाफ हैं। अब कर्मचारियों के पास हड़ताल पर जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित हड़ताल के सम्बन्ध में पदाधिकारियों को जागरूक कर हड़ताल को सफल बनाने के लिए कार्यकार्ताओं को संगठित किया जा रहा है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि बिजली कर्मचारियों ने राज्य बनने के बाद कभी भी हड़ताल नहीं की है और न ही उनका उद्देश्य कभी हड़ताल करना रहा है। बिजली कर्मचारी सदैव वार्ता से अपनी समस्या का समाधान कराना चाहते है लेकिन वर्तमान प्रबन्ध निदेशक उपाकालि हठधर्मिता एवं सरकार को बदनाम करवाने के उद्देश्य से बिजली कर्मचारियों से वार्ता नहीं कर रहे हैं। अपने इस कृत्य से वे मोर्चा को हड़ताल के लिए विवश कर रहे हैं।

मोर्चा के संरक्षक केएस रौतेला ने कहा कि तीनों निगमों द्वारा पास कराये गये अन्तरिम स्टाफ स्टक्चर में 61 पदों में सिर्फ उच्चाधिकारियों के पद स्वीकृत कराये गये, जबकि निगमों द्वारा नये खंडो/मंडलों/क्षेत्रों का निर्माण किया जा रहा है परन्तु उसके अनुसार कर्मचारियों की भर्ती नहीं की जा रही है। पहले ही निगमों में कर्मचारियों की भारी कमी चल है। बैठक में सदस्यों ने कहा कि विभागीय कर्मचारियों को दी जाने वाली विद्युत सुविधा किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं होने दी जायेगी। बैठक में इसके लिए प्रस्ताव पारित किया। बैठक में सुरेश वर्मा, सुशील शर्मा, राकेश शर्मा, सतीश शर्मा, जीएस चौहान, आरएस रौतेला, डीसी उपाध्याय, थान सिंह, केएन जोशी, मदन लाल, सुन्दर लाल, जीएस नेगी, संजय कुमार, प्रवीण कुमार, प्रदीप बडोला, हरेन्द्र सिंह, लक्ष्मण मोर्या, दीपक बेनीवाल आदि मौजूद थे।

- 11 अगस्त से प्रदेशभर में होगी हड़ताल
- निगम के प्रबंध निदेशक के खिलाफ मोर्चा खोला

अधिशासी अभियंता के ट्रांसफर पर सवाल उठे

देहरादून। उत्तराखंड पावर कारपोरेशन में स्थानांतरण को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गये हैं। दरअसर अधिशासी अभियंता मानव संसाधन एवं नियुक्ति और प्रशिक्षण का स्थानांतरण निगम के अंदर ही कर दिया गया है। जबकि नियम के तहत मानव संसाधन विभाग और नियुक्ति एवं प्रशिक्षण अधिकारियों का स्थानांतरण हर तीन साल में एक बार निगम से बाहर करने का है, लेकिन मुनीर आलम के मामले में यह नहीं किया गया। वल्कि उनका स्थानांतरण निगम के अंदर ही कर दिया गया है। सोमवार को निगम प्रमुख द्वारा अधिशासी अभियंता मुनीर आलम का स्थानांतरण निगम के वाण्यिज विभाग में कर दिया गया है। जिससे निगम अधिकारियों व कर्मचारियों में आक्रोश है। निगम कर्मचारियों का कहना है कि मुनीर आलम का स्थानांतरण दो वर्ष पहले भी (आई एंड क्यू) विभाग में किया गया था लेकिन उन्होंने वहां तैनाती नहीं दी। स्थानांतरण सिर्फ नियमावली की शर्ता को पूरा करने के लिए किया गया। अभी तक पूर्व का स्थानांतरण कैंसिल नहीं किया गया, बावजूद इसके एक बार फिर उनका स्थानांतरण निगम में ही कर दिया गया है। गौरतलब हो कि मुनीर आलम 2002 से अति गोपनीय विभाग में हैं, जबकि उक्त विभाग में तीन वर्ष से अधिक तैनाती नहीं दी जाती है।

- दो वर्ष पहले भी हुआ था स्थानांतरण, मुनीर आलम ने तैनाती नहीं दी

संविदा शिक्षकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

देहरादून (एसएनबी)। पांच सूत्री मांग को लेकर पिछले कुछ दिनों से प्रदर्शन कर रहे उत्तराखंड पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षकों को पुलिस ने सचिवालय कूच के दौरान गिरफ्तार किया। संविदा शिक्षक अपनी मांग को लेकर सचिवालय कूच कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का उग्र रूप देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सचिवालय कूच से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की कार्रवाई से प्रदर्शनकारी और भड़क गए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों व पुलिस के बीच हल्की नोक-झोंक भी हुई। पुलिस ने दो दर्जन से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर पुलिस लाइन व जिला कारागार भेजा।

सोमवार को पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत संविदा शिक्षकों की धरनास्थल पर एक बैठक हुई। बैठक के पश्चात संविदा कर्मियों ने सचिवालय कूच करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस की सख्ती के कारण उनकी एक न चली। जिसके बाद प्रदर्शनकारी पुलिस के साथ ही झगड़ पड़े। इस दौरान पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच नोक-झोंक भी हुई। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा उनकी मांगों पर गंभीर निर्णय नहीं किया जा रहा है। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष सर्वेश चौधरी ने कहा कि चार वर्षों के लिए स्वतः ही हमारी सेवाओं का विस्तार किया जाए और लोक सेवा आयोग की परिधि से बाहर किया जाए। उनका कहना है कि मानदेय 35 हजार एवं संविदा कार्यशाला अनुदेशक प्रोग्रामर का मानदेय 25 हजार रुपये किया जाना चाहिए। चौधरी ने कहा कि पूर्व में सरकार द्वारा 412 पदों को आयोग की परिधि से बाहर किया गया था। इसलिए उक्त पदों पर शीघ्र संविदा शिक्षकों का समायोजन किया जाए। प्रदर्शनकारियों में खगेन्द्र अवस्थी, नरेन्द्र पाठक, आशीष सेमवाल, महेश पाल, पूरन सिंह स्वाति, निधि दिव्या सिमरन, कविता, मुनीर, अरूण कुमार, कविता भंडारी, जयवीर, सुमित कुमार, अंजलि आदि राजीव मंद्रवाल, विजय राम डंगवाल, पूरन सिंह राणा, सुमित कुमार, पूनम रावत, दिशा नेगी, शीतल, महेश कुमार, सुभाष पाल आदि मौजूद थे।

- पांच सूत्री मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे संविदा शिक्षक
- पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच नोक-झोंक

पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षक को जबरन बस में बैठाते पुलिसकर्मी।

ग्राफिक एरा में इंजीनियरिंग का नया सत्र शुरू

- पहले दिन विश्वविद्यालय में रही खासी चहल-पहल

देहरादून (एसएनबी)। ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग का नया सत्र आज शुरू हो गया। पहले दिन विश्वविद्यालय में खासी चहल-पहल रही।

बीटेक के विभिन्न ब्रांच में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं को आज पहले दिन ग्राफिक एरा की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी गई। उनको विभिन्न पाठ्यक्रमों और उनसे जुड़ी संभावनाओं के बारे में बताया गया। इसके बाद नये छात्र-छात्राओं ने पहला दिन कम्प्यूटर साइंस, मैकेनिकल, इलेक्ट्रानिक्स कम्युनकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स, बायोटेक, सिविल, पेट्रोलियम व ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग आदि की प्रयोगशालाओं और लाइब्रेरी के बारे में जान-समझ कर गुजारा। पहले दिन छात्र-छात्राओं का रजिस्ट्रेशन कर उन्हें सेक्शन अलॉट किए गए। छात्र-छात्राओं के साथ पहले दिन उनके अभिभावक भी थे। ग्राफिक एरा ग्रुप के अध्यक्ष ड कमल घनाला ने अभिभावकों के साथ बैठक भी की। श्री घनशाला ने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चों का भविष्य संवारने की कोशिश में वे योगदान दें। अभिभावक बच्चों के बारे में उनके शिक्षकों से संपर्क कर उनकी प्रगति के विषय में सजग रह सकते हैं।

तीसरी काउंसिलिंग 31 को

विश्वविद्यालय प्रवक्ता ने बताया कि ग्राफिक एरा ग्रुप के विवविद्यालयों में बीटेक की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए तीसरी काउंसिलिंग 31 जुलाई को होगी।

नवजात की मौत की जांच डीजी हेल्थ को सौंपी

- स्वास्थ्य मंत्री ने डीजी हेल्थ को दिये जांच के निर्देश
- रविवार को दून महिला अस्पताल में प्रसव के दौरान हो गई थी बच्चे की मौत
- उपचार के अभाव में घंटों तड़पती रही गर्भवती महिला

देहरादून (एसएनबी)। स्वास्थ्य मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने रविवार को दून अस्पताल में डिलीवरी के दौरान हुए नवजात की मौत व गर्भवती महिला को इलाज न मिलने की घटना को गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्वास्थ्य महानिदेशक जीएस जोशी को इन मामलों की जांच के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि जो भी इसमें दोषी पाया जायेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञात हो कि रविवार को दून महिला अस्पताल में डिलीवरी के दौरान एक नवजात शिशु की मौत हो गई थी जबकि डाक्टरों की लापरवाही के कारण एक महिला घंटों तड़पती रही। इलाज न मिलने के बाद परिजन उसे बिना डिस्चार्ज किए ही प्राइवेट अस्पताल ले गये थे। इसके बाद अस्पताल में हंगामा हुआ था। घटना के बावजूद अस्पताल प्रशासन लापरवाह बना रहा। अस्पताल की सीएमएस ने तो घटना के बाद फोन तक नहीं उठाया था।

दून महिला अस्पताल में डायरिया निराकरण पखवाड़े के दौरान स्वास्थ्य मंत्री के संज्ञान में यह बात आई तो स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पताल में इस तरह की घटना होना बहुत गंभीर मामला है ओर इस मामले के दोषियों को नही बख्शा जाएगा। उन्होंने महानिदेशक स्वास्थ्य को इस मामले की जांच के निर्देश दिए हैं।